



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 369]

No. 369]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 21, 2003/वैशाख 1, 1925

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 21, 2003/VAISHAKHA 1, 1925

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 2003

का.आ. 451(अ).—विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 3) की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के साथ पठित धारा 5 के उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा प्रो. वी. एन. राजेश्वरन पिल्लै, निदेशक, राष्ट्रीय मूल्यांकन तथा प्रत्यायन परिषद्, बंगलौर को पदभार ग्रहण करने की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए अथवा 65 वर्ष की आयु पूरी होने तक, जो भी पहले हो, 22400-600-26000 रुपए (सामान्य भत्तों सहित) के वेतनमान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. 4-35/2002-यू. I]

रवि माथुर, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Secondary and Higher Education)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st April, 2003

S.O. 451(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with clause (b) of sub-section (1) of Section 6 of the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956), the Central Government hereby appoints Prof. V.N. Rajasekharan Pillai, Director, National Assessment and Accreditation Council (NAAC), Bangalore as Vice-Chairman, University Grants Commission in the scale of pay of Rs. 22400-600-26000 (plus usual allowances) for a period of three years with effect from the date he enters upon his office or till he attains the age of 65 years, whichever is earlier.

[F. No. 4-35/2002-U.I]

RAVI MATHUR, Jt. Secy.